12 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के

अब 13 वें वर्ष की ओर

पाठकों/दर्शकों का असीम स्नेह

Bharatsamman.com | Bharat samman | Bharat Samman

RNI No. CHHHIN/2011/38292

भारत सम्मान NEWS

हो जाओ सावधान...

वर्ष-13 अंक-161 | अम्बिकापुर, बुधवार, 06 दिसम्बर 2023 | कुल पृष्ठ-4 मूल्य-1.00 रू.

I.N.D.I.A की लाज लालू के हाथ! आरजेडी सुप्रीमो को कांग्रेस ने बनाया अपना 'दूत', कहा- नीतीश, अखिलेश और ममता को ले आइए

पटना। आईएनडीआईए की छह दिसंबर को नई दिल्ली में होने वाली बैठक टल गई है। अब यह 17 दिसंबर को होगी। राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने मंगलवार को बक्सर में दावा किया कि अगली बैठक में सभी घटक दलों के बड़े नेता शामिल होंगे। उन्होंने छह दिसंबर की बैठक टलने का कोई कारण नहीं बताया। उन्होंने विधानसभा चुनावों के परिणाम पर भी कोई टिप्पणी नहीं की। समझा जाता है कि पूर्व व्यस्तताओं के नाम पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और सपा प्रमुख छह की बैठक में नहीं जा रहे थे।

कांग्रेस ने लालू यादव को बनाया अपना 'दूत'

सूत्रों के अनुसार, राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद को कांग्रेस की ओर से यह जवाबदेही दी गई है कि वे सभी दलों के निर्णायक नेताओं को बैठक में शामिल होने के लिए राजी करें। माना जा रहा था कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में क्षेत्रीय दलों के प्रति कांग्रेस के रुख से आईएनडीआईए के घटक दलों में अप्रसन्नता थी।

अखिलेश और ममता ने भी अप्रसन्नता प्रकट की थी

अखिलेश यादव और ममता बनर्जी ने इसे प्रकट भी किया था। इससे पहले, बैठक में देरी पर नीतीश कुमार ने कांग्रेस नेतृत्व के प्रति अप्रसन्नता व्यक्त की थी। इसके बाद पांच नवंबर को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने टेलीफोन पर नीतीश से बातचीत की थी। भरोसा दिया था कि विधानसभा चुनावों के बाद आईएनडीआईए की बैठक बुलाई जाएगी। सूत्रों ने बताया कि चुनाव परिणाम आने के दो दिन पहले ही बैठक के लिए छह दिसंबर की तिथित निर्धारित की गई थी।

ईवीएम के बहानेबाजी पर भाजपा ने उड़ाई खिल्ली

केंद्रीय मंत्री गिरिराज बोले- विपक्ष जब भी हारता है ईव्हीएम पर सवाल उठाता है

नई दिल्ली। सत्तारूढ़ भाजपा ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के ईवीएम हैक किए जाने के आरोप की धज्जियां उड़ाते हुए कहा कि विपक्ष चुनाव मैदान में जब भी हारता है, वह ईवीएम पर सवाल उठाने लगता है। अपनी कमियों को छिपाने के लिए पार्टी जानबूझकर दूसरों पर दोषारोपण करती हैं। इससे पहले, मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव हारने के एक दिन बाद वरिष्ठ कांग्रेस नेता और एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने ईवीएम राग छेड़ दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि चिप लगी कोई भी मशीन हैक की जा सकती है। इसलिए वह वर्ष 2003 से ईवीएम से मतदान कराने का विरोध करते आ रहे हैं। उनके सुर में सुर मिलाते हुए तृणमूल कांग्रेस, बसपा, भाकपा समेत कई विपक्षी दलों ने ईवीएम में गड़बड़ी किए जाने का आरोप लगाया है।

कुछ राज्यों में बहुत आश्चर्यजनक नतीजे आए

कांग्रेस के प्रवक्ता गुरदीप सप्पल ने भी कहा कि पोस्टल बैलेट से कांग्रेस को अधिक वोट मिलते हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता सौगत राय ने कहा कि कुछ राज्यों में बहुत आश्चर्यजनक नतीजे आए हैं इससे ईवीएम के काम करने के तरीके पर शक होता है। बसपा सांसद दानिश अली ने कहा कि वह हमेशा से ईवीएम के खिलाफ हैं। भाकपा सांसद बिनोय विस्वाम ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है। ईवीएम से भरोसा उठता जा रहा है।

ईवीएम पर लगाए गए यह आरोप कोई नई बात नहीं

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को ईवीएम पर लगाए जा रहे आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि ईवीएम पर लगाए गए यह आरोप कोई नई बात नहीं है। विपक्ष चुनाव हारने के बाद ही ऐसे सवाल उठाता है। आखिर विपक्ष हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना विधानसभा की जीत पर सवाल क्यों नहीं उठाता है। जब वह जीतते हैं तब सब कुछ ठीक है। जब वह हारते हैं ईवीएम पर सवाल उठाने लगते हैं। सिंह ने कहा कि जनता उन्हें वोट क्यों नहीं करती यह जानने की कोशिश के बजाय वह ईवीएम पर निशाना साधते रहते हैं।

अब विपक्ष को हार का कोई नया बहाना ढूंढना चाहिए

भाजपा सांसद साध्वी निरंजन ज्योति ने भी कहा कि जब वह 2004 से 2014 तक सत्ता में थे, तब तो उन्होंने ईवीएम पर सवाल नहीं उठाए थे। लोजपा (रामविलास) के सांसद चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष तीन राज्यों के चुनाव नतीजों पर सवाल उठाकर अपनी तेलंगाना की जीत को भी फर्जी ठहरा रहा है। भाजपा नेता राजीव प्रताप रुडी ने कहा कि ईवीएम 18-19 सालों से है। अब विपक्ष को हार का कोई नया बहाना ढूंढना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्या विपक्ष को जनता पर भरोसा नहीं है। भाजपा नेता व अभिनेता रविकिशन ने कहा कि सबको पता था कि वह ईवीएम को ही दोष देंगे।

मैंने वर्ष 2003 से ही ईवीएम से वोटिंग का विरोध किया

इससे पहले, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, चिप लगी किसी भी मशीन को हैक किया जा सकता है। मैंने वर्ष 2003 से ही ईवीएम से वोटिंग का विरोध किया है। क्या हम अपने भारतीय लोकतंत्र को प्रोफेशनल हैकर्स से नियंत्रित होने दे सकते हैं? यह एक मूलभूत सवाल है जिसे लेकर राजनीतिक दल चिंतित हैं। माननीय चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट क्या कृपया करके हमारे भारतीय लोकतंत्र को बचाएंगे। दिग्विजय ने अपने आरोपों के समर्थन में एक्स पर एक थ्रेड भी जोड़ा जिसमें रवि नायर ने समझाया है कि ईवीएम (इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन) पूरी तरह से फूलप्रूफ नहीं हैं और यह लोकतंत्र के लिए सुरक्षित नहीं हैं।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर साधा निशाना, कहा- 70 साल की आदत इतनी आसानी से नहीं जाएगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मंगलवार को भाजपा विरोधी ताकतों पर कटाक्ष किया और लोगों को उनके विभाजनकारी एजेंडे के प्रति आगाह करते हुए कहा कि 70 साल की पुरानी आदत इतनी आसानी से नहीं जा सकती। एक्स पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने एक समाचार क्लिप पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'वे अपने अहंकार, झूठ, निराशावाद और अज्ञानता से खुश हो सकते हैं। लेकिन.. उनके विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहें। 70 साल की पुरानी आदत इतनी आसानी से नहीं

जाएगी। साथ ही, इनको आगे कई और झटकों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

वीडियो क्लिप में, समाचार एंकर को मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़, तीन हिंदी भाषी राज्यों, जहां नवंबर में चुनाव हुए थे, में कांग्रेस की हार के बाद अज्ञात भाजपा विरोधी ताकतों की हार पर टिप्पणी करते हुए सुना जा सकता है। उनकी यह टिप्पणी रविवार को भाजपा द्वारा मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को करारी शिकस्त देने के बाद आई है।

राजस्थान में भाजपा ने 199 में से 115 सीटें जीतकर कांग्रेस से सत्ता छीन ली, जबकि सत्तारूढ़ पार्टी कांग्रेस 69 सीटों पर सिमट गई। छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने 90 सदस्यीय विधानसभा में 35 सीटें जीतीं, जबकि भाजपा ने 54 सीटें जीतीं। मध्य प्रदेश में, भाजपा ने 230 में से 163 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस 66 सीटें जीतने में सफल रही।

सीएम की रेसः तेलंगाना में रेवंत रेड्डी होंगे सीएम

हैदराबाद। पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणामों के बाद सीएम की रेस शुरू हो गई है। इसी बीच तेलंगाना में तय हो गया है कि कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी तेलंगाना के मुख्यमंत्री होंगे। राहुल गांधी ने उनके नाम पर मुहर लगा दी है। राहुल ने कहा कि रेवंत रेड्डी को तेलंगाना में सीएम पद के लिए चुना गया है। मंगलवार को दिल्ली में हुई पार्टी की बैठक में यह फैसला लिया गया, जिसमें राहुल गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल सहित कई सीनियर नेता मौजूद थे।

आमजन, गरीब-मज़लूमों पर होने वाले अत्याचार के विरुद्ध क्रांतिकारी पत्रकारिता का नाम है भारत सम्मान, जब शासन-सत्ता में बैठे ऐसे लोग जो पद-पावर के नशे में चूर होकर करते हैं अपने कर्तव्यपालन में चूक तो भारत सम्मान करता है उन्हें दुरुस्त...

2011 से भारत सम्मान आगे बढ़ रहा है और मिसाल क़ायम कर रहा है ईमानदार पत्रकारिता की..

भारत सम्मान दैनिक समाचार पत्र के साथ-साथ वेबसाईट - www.bharatsamman.com, फेसबुक पेज - Bharat Samman व यू-ट्यूब - Bharat Samman News के माध्यम से जनहित के खबरों को प्राथमिकता देते हैं। हमारा दावा है यदि आप पर जुल्म हुआ है, आप न्याय के लिए कर रहे हैं संघर्ष तो केवल एक ही नाम आपको याद होना चाहिए...

भारत सम्मान

इसी क्रांतिकारी मुहिम से निम्न जगहों पर जुड़ने के लिए सम्पर्क करें

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार, बंगाल व देश के सभी राज्यों में ब्यूरो व संवाददाता बनने संपर्क कर सकते हैं।

इन पदों में होंगे नियुक्त...

1 - राज्य ब्यूरो प्रमुख
2 - राज्य अपराध ब्यूरो प्रमुख
3 - जिला ब्यूरो प्रमुख
4 - जिला अपराध ब्यूरो प्रमुख
5 - तहसील संवाददाता
6 - तहसील अपराध संवाददाता

अपना फोटो लगा बायोडाटा हमारी ई-मेल आईडी bharatsammannews@gmail.com या व्हाट्सएप No. 07828866957 पर भेजे।

नोट

1. केवल ईमानदार लोग ही संपर्क करें, पत्रकारिता के नाम पर वसूली करने अथवा ब्लैकमेल करने वालों से हमारा कोई वास्ता नहीं
2. यहां नौकरी नहीं दी जाती है, यदि हमारे संस्था के नाम का गलत इस्तेमाल करता है, तो हमारे द्वारा जारी नंबर पर शिकायत जरूर करें।

प्रसार/प्रबंध
सम्पादक
भारत सम्मान न्यूज नेटवर्क
07828866957
09303890212

संपादकीय

कांग्रेस का आत्मघाती कार्ड

समय के चक्र को पीछे लौटा कर सियासी चमत्कार कर दिखाने की सोच असल में समझ के दिवालियेपन का संकेत देती है। इस प्रयास में कांग्रेस ने सबकी पार्टी होने की अपनी विशिष्ट पहचान को संदिग्ध बना दिया है। चूंकि विचारधारा और जन-गोलबंदी के मोर्चों पर कांग्रेस नेतृत्व दीर्घकालिक रणनीति के जरिए राजनीति की नई समझ बनाने में विफल है, इसलिए अक्सर वह चुनाव जीतने के ऐसे टोना-टोटकों करने में लग जाता है, जिनके सफल होने की कोई गुंजाइश नहीं होती। हाल में उसने जातीय जनगणना और अस्मिता की राजनीति के ऐसे टोटके अपनाए हैं। इसके पीछे सोच संभवत: यह है कि अगर जातीय विभाजन रेखा हिंदुओं के बीच राजनीतिक विमर्श का मुख्य बिंदु बन जाए, तो भाजपा की हिंदुत्व की सियासत को हराया जा सकता है। यह मुद्दा अपनाते वक्त कांग्रेस (यह बात अन्य तमाम विपक्षी दलों पर भी लागू होती है) ने यह सोचने की जरूरत नहीं समझी कि आखिर जातीय न्याय की राजनीति उसका ट्रंप कार्ड कैसे हो सकती है, क्योंकि इससे खुद उसके अपने रिकॉर्ड पर कई सवाल उठेंगे। राहुल गांधी अगर कहते हैं कि सेक्रेटरी स्तर पर आज ओबीसी के सिर्फ तीन अधिकारी हैं, तो यह प्रश्न उनसे भी पूछा जाएगा कि इसके लिए कांग्रेस की कितनी जिम्मेदारी नहीं बनती है? बहरहाल, मसला सिर्फ इतना नहीं है। इससे अधिक अहम बात यह है कि भाजपा अगर आज देश के एक बड़े हिस्से में अपराजेय मालूम पड़ती है, तो उसका एक प्रमुख कारण यह है कि जातीय प्रतिनिधित्व की आकांक्षाओं को उसने अपनी हिंदुत्व राजनीति के बड़े तंबू अंदर समेट लिया है। इस तरह वह 1990 के दशक में उभरी मंडलवादी राजनीति की काट तैयार कर चुकी है। हकीकत यह है कि उत्तर भारत में आज ओबीसी मतदाताओं का सबसे बड़ा हिस्सा भाजपा का समर्थक है। दलित और आदिवासी समुदायों में भी उसकी पैठ अब काफी मजबूत हो चुकी है। इसके बीच समय के चक्र को पीछे लौटा कर सियासी चमत्कार कर दिखाने की सोच असल में समझ के दिवालियेपन का संकेत देती है। उधर इस प्रयास में कांग्रेस ने सबकी पार्टी होने के अपने यूएसपी को संदिग्ध बना दिया है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में यह रणनीति आत्मघाती साबित हुई। क्या कांग्रेस अब ताजा चुनाव नतीजों से कोई सबक लेगी? इसकी संभावना कम है, क्योंकि दूसरा रास्ता श्रमसाध्य राजनीति का है, जिसके लिए विपक्ष अभी तैयार नहीं है।

कार्यालयों में फाइलों से छेड़छाड़, पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने अधिकारियों को दी चेतावनी

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने फाइलों से छेड़छाड़ के मामले में बड़े अधिकारियों को साफ चेतावनी दी है। इंटरनेट मीडिया एक्स पर एक ट्वीट पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि प्रदेश के कुछ अधिकारी महत्वपूर्ण फाइलों को बैकडेट पर स्वीकृत कर रहे हैं, जो कि पूर्णत: अनुचित हैं। उन्होंने कहा कि मैं ऐसे सभी अधिकारियों को बताना चाहता हूं कि आप प्रशासनिक व्यवस्था के हिस्से हैं और जब तक प्रदेश में नई सरकार का गठन नहीं होता तब तक ऐसे किसी भी प्रकार के अनुचित कार्य करने से आप सभी को बचना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक मंत्रालय व इंद्रावती भवन के कई बड़े अधिकारियों के खिलाफ पुरानी तारीखों में फाइलों को स्वीकृत कराने की शिकायत पहुंची है। रमन सिंह के ट्वीट के बाद इंटनेट मीडिया पर उनके प्रशंसकों ने ऐसे अधिकारियों पर कार्रवाई की बात लिखी है। एक फालोवर ने लिखा कि ऐसे अधिकारियों को तत्काल बर्खास्त कर देना चाहिए।

रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट की अनुमति बिना ट्रस्ट की संपत्ति नहीं की जा सकती हस्तांतरित

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट की अनुमति बिना ट्रस्ट की संपत्ति को हस्तांतरित नहीं की जा सकती है। हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने कलेक्टर रायपुर के आदेश को सही ठहराते हुए रिट याचिका को खारिज कर दिया है। रिट याचिका की सुनवाई जस्टिस एनके व्यास की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि कलेक्टर द्वारा की गई कार्रवाई के अवलोकन से स्पष्ट है कि रजिस्ट्रार ने मृतक के कानूनी प्रतिनिधि को सुनवाई का अवसर देने के बाद आदेश पारित किया है। जब मामला तय हुआ और नौ जुलाई 2012 को लिखित बहस भी दायर की गई। 16 जनवरी 2012 को पेपर प्रकाशन के माध्यम से मामले को 13 फरवरी 2012 को तय करते हुए नोटिस जारी किया है। मंजू कृष्णानी और अन्य की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ताओं ने आपत्ति जताई। नौ जुलाई 2012 को मंजू कृष्णानी के वकील ने लिखित बहस दायर की। इसके बाद 24 जुलाई 2012 को आदेश पारित किया गया जो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि न्यायालय द्वारा सभी पक्ष को पर्याप्त अवसर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता के वकील द्वारा यह तर्क पेश करना उचित नहीं है कि समाज के साथ-साथ मंजू कृष्णानी, जो स्व रिजुमल की कानूनी प्रतिनिधि हैं को कोई उचित अवसर नहीं दिया गया। कोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ रिट याचिका को खारिज कर दिया है।

क्या है मामला

याचिकाकर्ता सुंदरनगर गृह निर्माण प्राथमिक सहकारी संस्था मर्यादित रायपुर ने कलेक्टर रायपुर द्वारा 24 जुलाई 2012 को पारित आदेश को चुनौती देते हुए रिट याचिका दायर की। इसमें कहा है कि कलेक्टर ने खसरा नंबर 1187/1 क्षेत्रफल 1.210 एकड़ भूमि का पूरा लेनदेन रद कर दिया है। उक्त भूमि को ट्रस्ट के नाम पर दर्ज करने के निर्देश दिए। याचिका के अनुसार सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 के तहत पंजीकृत सहकारी समिति है और उसने वर्ष 2006 में मंजू कृष्णानी से विवादित भूमि खरीदी है। नामांतरण के लिए आवेदन किया था जिसमें रामचंदजी ने आपत्ति जताई कि भूमि सार्वजनिक ट्रस्ट की है। पूर्व प्रबंधक सरवाकर अर्थात महंत राधिका दास ने कलेक्टर रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट से उचित अनुमति प्राप्त किए बिना रामनारायण को उक्त भूमि को रिजुमल को बेच दी है। ऐसे में पूरा लेनदेन शुरू से ही अमान्य है। याचिकाकर्ता ने कहा कि रिजुमल ने वर्ष 1976 में तहसीलदार रायपुर के समक्ष नामांतरण के लिए आवेदन किया था और रामचंद्र द्वारा उठाई गई आपत्ति को खारिज कर दिया गया था। सात जनवरी 1976 के आदेश के तहत रिजुमल का नाम भूमि स्वामी के रूप में परिवर्तित कर दिया गया था। रामचंद्र ने अनुविभागीय अधिकारी रायपुर के समक्ष अपील दायर की। इसमें मामले को नए सिरे से जांच करने के लिए तहसीलदार रायपुर को वापस भेज दिया है, जिससे पक्षों को साक्ष्य पेश करने के लिए सुनवाई का अवसर दिया जा सके। रायपुर के तहसीलदार ने फिर से मामले का फैसला रिजुमल के पक्ष में कर दिया।

लेबर ठेकेदार को लिफ्ट देकर लूट लिए पांच लाख, जांच में जुटी पुलिस

बिलासपुर। श्रमिकों को देने के लिए पांच लाख रुपये लेकर घर जा रहे लेबर ठेकेदार को लिफ्ट देकर कार सवार लोगों ने पांच लाख रुपये लूट लिए। पीड़ित ने इसकी शिकायत कोतवाली थाने में की है। घटना के एक सप्ताह बाद पुलिस ने मामले में जुर्म दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पचपेड़ी क्षेत्र के ग्राम ओखर निवासी पुरुषोत्तम केंवट(42) लेबर ठेकेदार हैं। बीते दिनों वे ईंट भट्ठा मालिकों से मिलने के लिए उत्तर प्रदेश के देवरिया गए थे। वहां से वे श्रमिकों को देने के लिए पांच लाख रुपये लेकर 27 नवंबर को आए। वे अपने गांव जाने के लिए पुराना बस स्टैंड के पास वाहन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान कार सवार तीन लोग उनके पास आए। उन्होंने पुरुषोत्तम से पचपेड़ी जाने का रास्ता पूछा। ठेकेदार को कार में बिठाकर दर्रीघाट तक लेकर गए। वहां से ड्राइवर ने कार रायपुर रोड की ओर मोड़ दी। हाईवे में पेट्रोल पंप के पास मारपीट कर उनसे पांच लाख रुपये छीन लिए। इसके बाद ठेकेदार को कुंआ-सारधा रोड के पास छोड़कर भाग निकले। ठेकेदार किसी तरह अपने घर पहुंचा। स्वजन को घटना की जानकारी देकर उन्होंने मामले की शिकायत कोतवाली थाने में की। इस पर पुलिस ने जांच के बाद लूट का मामला दर्ज कर लिया है। पुराना बस स्टैंड और आसपास के सीसीटीवी का फुटेज लेकर संदेहियों की पहचान की जा रही है।

मोबाइल लोकेशन लेकर हो रही जांच

लुटेरों ने ठेकेदार का मोबाइल भी छीन लिया है। ठेकेदार के मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस आरोपित का सुराग लगा रही है। इसके अलावा शहर के चौक चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज लिया गया है। इससे मिले सुराग के आधार पर एक टीम को जिले के बाहर भेजा गया है। पुलिस जल्द ही मामले का पर्दाफाश करेगी।

नेतनागर डबल मर्डर का खुलासा, पति ही निकला कातिल

आरोपी ने चाकू व हथौड़ी से बेरहमी से दिया वारदात को अंजाम, सफेद रंग की कार से मिले अहम सुराग

रायगढ़। बीते 27 नवंबर की सुबह नेशनल हाईवे 49 पर ग्राम नेतनागर में पैरावट में महिला और बच्चे का अधजले शव मिलने के मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुए कातिल को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने कहासुनी के बाद हथौड़े और चाकू से महिला और बच्चे की निर्मम हत्या कर शातिरआना अंदाज में शव को ठिकाने लगाने का प्रयास किया था।

मिली जानकारी के अनुसार 27 नवंबर की सुबह जिला मुख्यालय से तकरीबन 15 किलोमीटर दूर नेतनागर गांव में पैरावट में महिला और बच्चे का अधजला शव मिलने के बाद एसएसपी सदानंद कुमार द्वारा नगर पुलिस अधीक्षक अभिनव उपाध्याय के नेतृत्व में 3 अलग-अलग टीमें अज्ञात आरोपी की पतासाजी में लगाई गई। इन टीमों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई जिसमें एक टीम घटनास्थल से लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में लगी हुई थी, साइबर की टीम मोबाइल टावर से टेक्निकल एनालिसिस में लग गई। प्रशिक्षु डीएसपी अमन और थाना प्रभारी जूटमिल के नेतृत्व में एक टीम ह्यूमन हिंट के जरिये आरोपी का पता लगा रही थी जिसमें जानकारी मिली की घटना दिनांक को ग्रामीणों ने एक सफेद रंग की कार की आवाजाही घटनास्थल के आसपास देखा है। जल्द ही पुलिस को संदिग्ध सफेद कलर की महिंद्रा एक्सयूवी कार टोल नाके, मार्ग पर लगे सीसीटीवी और बैरियर में दिखाई दी। एक्सयूवी कार का आरटीओ से जानकारी प्राप्त कर उसके ऑनर का पता लगाया गया। कार विभा गुप्ता पति सूरज गुप्ता निवासी रायपुर का पता चला। पुलिस की एक टीम तत्काल रायपुर रवाना हुई जहां पुलिस को टीम को पता चला कि कार का उपयोग सूरज गुप्ता द्वारा किया जा रहा है जो पिछले कुछ समय से अपनी कंपनी में धोखाधड़ी कर कंपनी में काम करने वाली विवाहित महिला निधि औसरिया (28 साल) और उसके पहले पति से हुये बच्चे पार्थ (05 साल) के साथ रायपुर से बाहर कहीं रहता है। सीएसपी अभिनव के नेतृत्व में पुलिस टीम बिलासपुर पहुंचकर संदेही सूरज गुप्ता की पतासाजी में जुट गई। बिलासपुर शहर के सीसीटीवी चेक करते हुए टीम शांतिनगर बिलासपुर पहुंची जहां सूरज गुप्ता एक किराए मकान लेकर एक महिला और बच्चे के साथ रह रहा था, एक्सयूवी कार पोर्च में खड़ी थी घर पर कोई नहीं थे। मकान मालिक से पूछताछ में जानकारी प्राप्त हुई कि सूरज गुप्ता और उसके साथ रहने वाली महिला निधि औसरिया और उसका 5 साल का बेटा पार्थ जो 2-3 दिनों से नजर नहीं आ रहे हैं जिससे पुलिस का शक बढ़ गया। साइबर टीम की मदद से निधि के मोबाइल नंबर जांच में रखा गया जिसकी मृत्यु के पश्चात भी संभावित आरोपी द्वारा उसके व्हाट्सएप के संचालन की जानकारी मिली। पुलिस की टीम को निधि के मोबाइल नंबर के एनालिसिस पर पता चला कि मोबाइल पर और नंबर एक्टिव थे जिसे जांच करते हुए पुलिस संदिग्ध सूरज गुप्ता का लोकेशन लिया गया जो पुलिस से छुपते हुए मुंबई भाग चुका था। तत्काल एसएसपी सदानंद कुमार के निर्देशन पर डीएसपी अमन लखीसरानी के नेतृत्व में एक टीम पुणे रवाना हुई। वहीं संदेही सूरज गुप्ता पुलिस को गुमराह करने अपना मोबाइल बंद-चालू कर रहा था जिसका मोबाइल ऑन होने पर अगला लोकेशन दुर्ग-भिलाई प्राप्त हुआ। पुणे रवाना हुई टीम भिलाई पहुंची। आरोपी पतासाजी करते हुए भिलाई के प्रियदर्शनी परिसर पहुंच कर संदेही सूरज गुप्ता को हिरासत में लिया गया जिससे हिकमत अमली से पूछताछ करने पर उसने निधि औसरिया और उसके बेटे पार्थ की हत्या कर शव को बिलासपुर-झारसुगुड़ा हाईवे में रोड किनारे पैरावट में जलाना कबूल किया और घटना का वृतांत बताया।

इस तरह बेरहमी से की हत्या

आरोपी ने बताया कि दोनों के बीच अक्सर झगड़ा विवाद होता था। 24 नवंबर की रात निधि और सूरज में झगड़ा हुआ था जिसे लेकर सूरज दूसरे दिन भी गुस्से में था और 25 नवंबर के दोपहर दोनों के बीच फिर बहसा बहसी हुई और सूरज आवेश में आकर घर में रखे हथौड़े से निधि के सिर पर ताबड़तोड़ कई बार वार किया जिससे निधि अधमरी हो गई जिसका पैर से गला दबाकर उसकी हत्या कर दिया और पकड़े जाने के डर से घर में मौजूद मासूम पार्थ की वायर से गला दबाकर हत्या कर दिया।

दोनों शवों को लेकर रायगढ़ में दिनभर घूमता रहा आरोपी

आरोपी ने बताया कि दोनों की हत्या करने के बाद शव ठिकाने लगाने की प्लानिंग में सूरज जुट गया उसने पेट्रोल, प्लास्टिक व अन्य सामान की व्यवस्था कर शव को शहर से दूर ठिकाने लगाने 26 नवंबर की सुबह दोनों लाश को एक्सयूवी कार के डिक्की में डालकर रायगढ़ की ओर निकाला 26 नवंबर के दोपहर में ही आरोपी सूरज गुप्ता नेतनागर पहुंच गया और पैरावट रखे स्थान की रैकी कर स्थान को उचित मानकर रात्रि होने का इंतजार किया और देर रात शव को जलाकर पुलिस को चकमा देने के लिए बार-बार मार्ग बदल-बदल कर अकलतरा-बिलासपुर होते हुए अपने घर शांति नगर पहुंचा और कार पोर्च पर खडी कर रफू चक्कर हो गया। पुलिस ने आरोपी से मृतिका औसरिया के सोने चांदी के जेवरात करीब सात आठ लाख रुपए नगद कैश करीब ढाई लाख रुपये और एक्सयूवी 700 कार की जप्त की गई है।

सार-समाचार

युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला, जुर्म दर्ज

रायपुर। जयहिंद चौक लोधीपारा में हत्या करने के नियत से युवक के पेट पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी आदित्य वर्मा 26 वर्ष जयहिंद चौक लोधीपारा का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपने दोस्त आनंद के साथ बैठा था, तभी आरोपी समी व सुफ्यान आया और पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर हत्या करने के नियत से पेट आनंद के पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 307, 294, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से लाखों रुपए के जेवर पार

रायपुर। ग्राम नेउरडीह स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मुकेश आडिल 30 वर्ष ग्राम नेउरडीह का रहने वाला है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने प्रार्थी के सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 1 लाख 30 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 457, 380 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सरेआम शराब पीते 13 पकड़ाए

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर सरेआम शराब पीते 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार आजाद चौक पलिस ने भैसथान के पास सरेआम शराब पीते आरोपी विक्रम देवांगन 23 वर्ष व अमिस देवांगन 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह खरोरा पुलिस ने आरोपी हरिश मिरझा 20 वर्ष व दुर्गेश कुर्रे 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं टिकरापारा पुलिस ने आरोपी निखिल पाल 20 वर्ष एवं मोदहापारा पुलिस ने अजीत कुमार नारा 70 वर्ष, विजय मदनानी 31 वर्ष व विलास मदनानी 26 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह गोलबाबाजार पुलिस ने आरोपी नंदराम 54 वर्ष, दुतिया बाग 36 वर्ष, मिर्जा सिराज बेग 45 वर्ष, विलासराम साहू 30 वर्ष व साजिद रजा 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

अपराधियों पर नकेल कसने राजधानी पुलिस एक्शन मोड में

रायपुर। एसएसपी के निर्देश पर रायपुर पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई व सघन चेकिंग अभियान लगातार जारी है। अपराधों व अपराधियों पर नकेल कसने पुलिस एक्शन मोड में आ गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले के नेतृत्व में रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों सहित फोर्स द्वारा भीड़भाड़ वाले इलाकों में सघन जांच-पड़ताल की जा रही है। सार्वजनिक स्थान/सूनसान स्थान में जमवाड़ा लगाकर नशा करने वालों, गुटबाजी/अड्डेबाजी करने वालों, संदिग्ध व्यक्तियों, असमाजिक तत्वों, संदिग्ध व्यक्तियों के वाहनों की डिक्की, धारदार/बटनदार चाकू रखकर घुमने वालों सहित आम स्थानों पर शराब पीने, शराब पीने हेतु स्थान उपलब्ध कराने, सार्वजनिक मैदान, पार्क, चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थान पर चार पहिया वाहन के अंदर बैठकर शराब पीने वालों की चेकिंग की जा रहीं है।

ईव्हीएम में गड़बड़ी से भाजपा जीती चुनाव, छत्तीसगढ़ में हार के बाद बोले कांग्रेसी नेता, कहा- बैलेट पेपर से हो लोकसभा चुनाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को बुरी तरह का हार का सामना करना पड़ा है। चुनाव में हार के बाद राजनेताओं की प्रतिक्रिया आने लगी हैं। कांग्रेस नेता सुशील आनंद शुक्ला ने छत्तीसगढ़ में हार के लिए ईवीएम को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की है कि 2024 में होने वाले आगामी लोकसभा चुनाव बैलेट पेपर से होने चाहिए।

2023 के विधानसभा चुनाव में बड़ा उलटफेर हुआ। कांग्रेस की यहां बड़ी हार हुई, जबकि भाजपा ने प्रचंड जीत दर्ज पांच साल बाद फिर से सत्ता में वापसी कर ली है। नतीजे के दो दिन बाद कांग्रेस नेता सुशील आनंद शुक्ला ने बयान दिया है।

उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान विधानसभा चुनाव के जो परिणाम आए हैं, वो बेहद ही अप्रत्याशित और चौंकाने वाले हैं। विशेषतौर से छत्तीसगढ़ को लेकर जो पार्टी का आंकलन था और जो परिणाम आएं हैं वो इस बात को साबित करने के लिए पर्याप्त हैं कि यहां कहीं न कहीं ईवीएम में गड़बड़ियां हुई हैं। यहां की जनता आज भी यह मानने को तैयार नहीं है कि यहां कांग्रेस की सरकार नहीं बनी है। चुनाव आयोग को इसे देखना चाहिए।

उन्होंने कहा, प्रजातंत्र में यदि किसी प्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं तो भविष्य में इस पर प्रतिबंध लगना चाहिए। बैलेट पेपर से चुनाव होने चाहिए। कुरूद विधानसभा में बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार ने दावा कि उन्होंने परिवार के साथ वोट डाला, लेकिन उन्हें शून्य वोट मिला।

रायपुर दक्षिण में स्वतंत्र महिला उम्मीदवार ने भी इस तरह का दावा किया है। रायपुर ग्रामीण में भाजपा का उम्मीदवार चुनाव के दौरान कहीं दिख नहीं रहा था, 40 हजार वोट से जीत गया। ये अप्रत्याशित परिणाम कैसे आएं हैं। कहीं न कहीं ईवीएम पर सवाल खड़ा हो रहा है।

बतादें कि छत्तीसगढ़ में 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव हुए हैं। भाजपा ने 54 सीटों पर जीत दर्ज की है। कांग्रेस महज 35 सीटों पर सिमट गई। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 71 सीटों पर कब्जा किया था। भाजपा 15 सीटें ही जीत पाई थी।

राजधानी में अब रात 11 बजे तक ही खुलेंगी दुकानें, हटाए जाएंगे अवैध अतिक्रमण

रायपुर। राजधानी रायपुर में अब देर रात तक दुकानें नहीं खुली रहेंगी। रात 11 बजे तक सभी दुकानदारों को दुकान बंद करना होगा। इसके साथ ही अवैध अतिक्रमणों पर भी तेजी से कार्रवाई की जाएगी। कानून व्यवस्था की स्थिति पर अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर डा. सर्वेश्वर भुरे ने यह निर्देश दिए है। बैठक में एसएसपी प्रशांत अग्रवाल समेत पुलिस के अधिकारियों सहित नगर निगम रायपुर और बीरगांव के अधिकारी भी मौजूद रहे। कलेक्टर डा. भुरे ने बैठक में रायपुर शहर में यातायात को भी व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों और स्कूलों के किनारे लगी गुमठियों और अस्थायी दुकानों, ठेलों को तत्काल हटाया जाए, ताकि इनसे लोगों को आने-जाने में होने

वाली परेशानी और भीड़ के कारण लगने वाले जाम से मुक्ति मिल सके। साथ ही देर रात तक चलने वाले क्लब, बार और सड़क-हाइवे पर पार्टी व अड्डेबाजी करने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि सभी एडीएम पुलिस अधिकारियों के साथ रात में गश्त करें और कानून व्यवस्था भंग करने वालों पर कार्रवाई करें।

सड़कों पर सांडों के संघर्ष से हादसे का डर

कोरबा। आवारा घूम रहे मवेशियों पर नकेल कसने का काम नही हो सका है। स्थिति यह है कुछ रास्तों पर सांडों के संघर्ष से हादसे का डर बना हुआ है और लोगों की जान पर संकट भी है। घण्टाघर चैक, कोसाबाड़ी रोड,

पीएच रोड पर इस तरह के नमूने आम हो गए है। पिछली शाम निहारिका मार्ग पर दो सांड की हरकतों ने रास्ते को बाधित किया और आवाजाही करने वालों को भयभीत किया। लोगों ने डरे सहमे इस रास्ते को पार किया। इस तरह के हालात यहां काफी समय तक बने रहे और बाद में किसी प्रकार से इसे सामान्य किया जा सका। यहां बताना आवश्यक होगा कि नगर पालिका निगम के द्वारा यहां वहां विचरण करने वाले मवेशियों को पकडने के लिए अभियान चलाया गया और अनेक मामलों में पेनल्टी भी की गई। इसके कोई ठोस परिणाम नहीं मिले। जरूरत जताई जा रही है कि जब तक मवेशी पसलकों की खोज कर उन पर एक्शन नही लिया जाएगा, परेशानी कम नही होगी।

राजभवन व जीएडी से अधिसूचना जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में संपन्न हो चुके विधानसभा चुनाव में मिली पराजय के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने पद के साथ ही मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों का त्यागपत्र राज्यपाल को सौंप दिया था। इस दौरान राज्यपाल ने नए सरकार के गठन होने तक प्रभार संभालने कहा है। भूपेश बघेल और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों के त्याग पत्र के संबंध में दो अधिसूचना जारी की गई है। पहली अधिसूचना राजभवन की तरफ से राजभवन के सचिव के हस्ताक्षर से जारी किया गया है। दूसरी अधिसूचना सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की तरफ से मुख्य सचिव के हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

चक्रवाती तूफान का छत्तीसगढ़ में असर: कई राज्यों में झमाझम बारिश की चेतावनी, मौसम में हुए बदलाव से ठंड लौटेगी

रायपुर/नईदिल्ली। चक्रवात मिचौंग आज 4 दिसंबर की सुबह उत्तरी तमिलनाडु तट के करीब पहुंच गया है। अब यह लगभग उत्तर दिशा में लगभग समानांतर और दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के करीब बढ़ेगा, यह 1000- और 1100- घंटे इस्क्ष के बीच नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश तट को एक गंभीर चक्रवाती तूफन के रूप में प ार करेगा। भूस्खलन के समय हवा की गति 90 से 100 किमी प्रति घंटे से लेकर 110 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। पूर्वोत्तर अरब सागर के ऊपर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है।

रायपुर मौसम विभाग के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 33.8 दुर्ग तथा कम न्यूनतम तापमान 15.8चक्ष्स्च कांकेर में दर्ज किया गया। प्रदेश के कई जिलों में आज बारिश हो सकती है। वहीं, राजधानी के लिए मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि आकाश आंशिक मेघालय रहने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 31ष्ट और 19ष्ट रहने की संभावना है।

मौसम एजेंसी स्काई मेट वेदर के मुताबिक, अगले 24 घंटों के दौरान, आंध्र प्रदेश में 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाओं के

साथ मध्यम से भारी बारिश संभव है। पूर्वी तेलंगाना और ओडिशा के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक या दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। तमिलनाडु, कर्नाटक, गंगीय पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों और दक्षिणी झारखंड में हल्की से मध्यम बारिश संभव है।

विदर्भ, तेलंगाना, कर्नाटक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और केरल में 1 या 2 स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, पिछले 24 घंटों के दौरान, आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तट पर मध्यम से भारी बारिश हुई। तमिलनाडु के उत्तरी तट पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, पूर्वी राजस्थान, हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों, ओडिशा, दक्षिण छत्तीसगढ़, दक्षिण भारतीय कर्नाटक, लक्षद्वीप और मराठवाड़ा में एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश हुई।

प्रशिक्षु डीएसपी के साथ 2 थानों के टीआई बदले

जांजगीर-चांपा-रायपुर। जिले में पदस्थ 1 प्रशिक्षु डीएसपी सहित 2 थानों के टीआई, 2 एसआई, 2 एएसआई का स्थानांतरण आदेश जारी हुआ है। एसपी विजय अग्रवाल के हस्ताक्षर से जारी ट्रांसफर आदेश में प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक संगम राम को नैला चौकी का प्रभार दिया है. नैला चौकी प्रभारी सत्यम चौहान को सारागांव थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं निरीक्षक मणिकांत पाण्डेय को यातायात शाखा से बम्हनीडीह थाना प्रभारी बनाया गया है. 3 उप निरीक्षक का भी बिर्रा, सारागांव और यातायात में तबादला किया गया है. इसके अलावा 2 एसआई को लाइन अटैच किया गया है।

अमलडीहा क्षेत्र में सक्रिय 11 हाथियों ने किया पड़ोसी जिले का रूख

कोरबा। वनमंडल कोरबा के कुदमुरा रेंज के अमलडीहा क्षेत्र में सक्रिय 11 हाथियों के दल ने बीती रात पड़ोसी जिले सरगुजा का रूख कर लिया। हाथियों का दल आधी रात को आगे बढ़ा और जंगल ही जंगल रास्ता तय करते हुए सीमा को पार कर पड़ोसी जिले में प्रवेश कर लिया। हाथियों के अन्यत्र जाने से कुदमुरा क्षेत्र के वन अमले ने राहत की सांस ली है। 26 हाथियों का दल पहले ही यहां से धरमजयगढ़ जा चुका है। जहां हाथियों के जाने से कुदमुरा के वन अमले ने राहत की सांस ली।

वहीं कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज अंतर्गत सेमहरा में एक लोनर हाथी के आ जाने से संबंधित स्टाफ व ग्रामीणों

की परेशानी बढ़ गई है। लोनर ने यहां पहुंचते ही काफी उत्पात मचाया और सात ग्रामीणों के खेतों में खड़े धान व अरहर की फसल को तहस-नहस कर दिया, जिससे ग्रामीणों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। उधर ऐतमा नगर रेंज के सरभोंका व रिंगनिया क्षेत्र में बड़ी संख्या में हाथी अब विचरण कर रहे हैं, लेकिन राहत की बात यह है कि क्षेत्र में मौजूद हाथियों ने कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचाया है। केंदई रेंज के कोरबी सर्किल के खुरू पारा में आधा दर्जन से अधिक हाथी डेरा डाले हुए हैं। यह हाथी दिन भर यहां के जंगल में विश्राम करते हैं और शाम ढलने के बाद जंगल से निकलकर आगे की ओर या तो पसान रेंज के पनगंवा पहुंच जाते हैं या सिरमिना क्षेत्र में। रात भर वहां विचरण करने के बाद सुबह होने से पहले फिर खुरूपारा लौट जाते हैं।

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, बुधवार, 06 दिसम्बर 2023

छत्तीसगढ के रिजल्ट का एनालिसिसः सत्ता परिवर्तन में महिलाओं और किसानों के अंडर करंट की भूमिका अहम

2018 में केंद्र सरकार की नीति के कारण हारी थी भाजपा

भाजपा के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती धान के मुद्दे पर कांग्रेस से मुकाबला करने की थी। केंद्रीय नेतृत्व और विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुफ्त की रेवड़ी (फ्रीबीज) के घोर विरोधी रहे हैं। 2018 का चुनाव भी धान के लिए अतिरिक्त मूल्य नहीं देने की केंद्र सरकार की नीति के कारण ही हारना पड़ा था। प्रदेश चुनाव प्रभारी बनाए जाने के बाद ओम माथुर, चुनाव सह प्रभारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख भाई मांडविया और प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के लिए इस मुद्दे को सुलझाना ही बड़ी चुनौती रही। इसे भाजपा के आंतरिक लोकतंत्र का प्रतिफल भी माना जा सकता है कि चुनाव के सूत्रधारों ने केंद्रीय नेतृत्व को समझाने में सफलता पाई कि पहले सत्ता में होंगे तभी अपनी नीतियों के अनुरूप सशक्त प्रदेश का निर्माण कर सकेंगे। जन कल्याण कर सकेंगे।

भाजपा के मास्टर स्ट्रोक ने कांग्रेस का चक्रव्यूह तोड़ा

प्रदेशवासियों को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के गठन को याद दिलाते हुए भाजपा ने संबंधों की गहराई का एहसास कराया। और उसके बाद अंडर करंट के लिए मास्टर स्ट्रोक की बारी थी। प्रति एकड़ 3,100 रुपये के भाव से 21 क्विंटल धान की खरीदी और महिलाओं को प्रति वर्ष 12 हजार रुपये के भुगतान की घोषणा ने मानो कांग्रेस का चक्रव्यूह ही तोड़ दिया। कांग्रेस जब तक कुछ समझ पाती 60 लाख से अधिक महिलाओं तक महतारी वंदन के फार्म पहुंच चुके थे। कोयला परिवहन घोटाले और आबकारी घोटाले में पहले ही ईडी ने कई कांग्रेसी नेताओं और अधिकारियों को गिरफ्तार कर रखा था, सट्टेबाजी में प्रयुक्त महादेव एप ने भ्रष्टाचार के आरोपों को मुद्दा बना दिया। सट्टेबाजों से 508 करोड़ रुपये लिए जाने के वीडियो पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सफाई प्रभावकारी नहीं बन सकी।

रायपुर। मतदान के बाद 17 नवंबर से छाई खामोशी को नगाड़ों, पटाखों और धमाकों ने 3 दिसंबर को तोड़ दिया। 30 नवंबर के एग्जिट पोल के सारे विश्लेषण ध्वस्त हो गए। दावे-प्रतिदावे जनादेश में बह गए। प्रदेश के पुराने से पुराने राजनेताओं और समीक्षकों को भी ऐसी उम्मीद नहीं थी। सत्तारूढ़ कांग्रेस के दो तिहाई मंत्री भी अंडर करंट की चपेट में आ गए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ तीन अन्य मंत्री ही एकबार फिर विधानसभा पहुंचने लायक बचे। भाजपा ने एकबार फिर सिद्ध कर दिया कि संगठन और कार्यकर्ताओं की ताकत सर्वोपरि है। छह महीने पहले तक अपराजेय माना जा रहा कांग्रेसी किला ध्वस्त हो गया। छत्तीसगढ़ में अब फिर भाजपा की सरकार होगी। लोकसभा चुनाव के लिए पहले से ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए मन बनाए बैठी बताई जा रही जनता ने मोदी की गारंटी को पूरा होने की गारंटी मान ली। और यही गेम चेंजर बन गया।

भ्रष्टाचार के सारे मुद्दे कांग्रेस पर चिपक गए

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की भर्तियों में भ्रष्टाचार ने पहले ही लाखों युवाओं को आंदोलित कर रखा था। इसके साथ ही भ्रष्टाचार के सारे मुद्दे कांग्रेस पर चिपक गए और पार्टी चौतरफा घिर गई। इस तरह भाजपा के रणनीतिकारों ने जनता से सीधे संवाद कर मुद्दों का चयन किया तो केंद्रीय नेतृत्व ने जीत के लिए ताकत झोंक दी। कांग्रेस के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के दौरों पर प्रश्न खड़े करते रहे और भाजपा केंद्रीय नेतृत्व अपने लक्ष्य के प्रति केंद्रित होकर प्रचंड बहुमत के लिए प्रचार में जुटा रहा। दुर्ग के सांसद विजय बघेल के नेतृत्व में घोषणापत्र समिति हर क्षेत्र में जाकर हर वर्ग से मुद्दों का संकलन करती रही। सामाजिक समरसता के लिए ठोस कदम उठाए। अपनी नीति के प्रति दृढ़ता दिखाई। मोहम्मद अकबर और रविंद्र चौबे जैसे कद्दावर मंत्रियों के सामने व्यवस्था से संघर्ष करने वाले चेहरों को उतारा। इसकी वजह से दोनों को बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा है। बीजेपी की 22 प्रत्याशियों के नाम की पहले घोषणा ने दिखाया दम इसी तरह राज्य गठन के पहले से ही परंपरागत रूप से कांग्रेस की रही 22 सीटों पर चुनाव घोषणा से तीन महीने पहले ही उम्मीदवार घोषित करने की रणनीति ने ऐसा दम दिखाया कि इनमें से आधी सीटों से अब भाजपा के विधायक हैं। यह सही है कि विधानसभा चुनाव परिणाम की उम्मीद के बारे में पूछे जाने पर शनिवार तक प्रदेश के आम लोगों की लगभग एक जैसी ही प्रतिक्रिया मिल रही थी। लोग भाजपा के मजबूत होने और कांग्रेस की किसी तरह सत्ता वापसी हो जाने की उम्मीद जता रहे थे।

चुनाव के मात्र चार महीने पहले कांग्रेस में बदलाव से पैदा हुए बागी

कांग्रेसी रणनीतिकारों ने शुरू में भूपेश और भरोसा को पर्याय बनाने की कोशिश की। गुटबाजी के कारण नारे बदले। भूपेश है तो भरोसा है कि जगह भरोसे की सरकार का नया नारा दिया गया। जवाबदेहियां बदलीं। चुनाव के मात्र चार महीने पहले मोहन मरकाम की जगह दीपक बैज को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। उम्मीदवार बदले। कांग्रेस ने मौजूदा 22 विधायकों का टिकट काटते हुए 32 नए चेहरों पर दांव खेला। ... और परिणाम भी बदल गया। कांग्रेसी नेताओं के अंतर्कलह, गुटबाजी, भितरघात और अतिआत्मविश्वास ने बागी पैदा किए। कांग्रेस पार्टी के अंदर भरोसा टूटा और बाहर समर्थन बिखर गया। यही भाजपा की जीत का आधार बन गया।

फ्रिज का कंप्रेशर फटने से घर में लगी आग, पांच दमकल ने पाया काबू

कोरबा। श्याम मंदिर के पास एक मकान में फ्रिज का कंप्रेशर फटने से आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरे घर में फैल गई। सूचना मिलने पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया, तब तक काफी सामान जल कर राख हो चुका था।

मिशन रोड स्थित आशा देवी शर्मा के मातृ छाया नाम से बने इस घर की प्रथम मंजिल में आगजनी की घटना मंगलवार की दोपहर हुई। बताया जा रहा है कि फ्रिज का कंप्रेशर तेज आवाज के साथ फटा। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। घटना के वक्त मकान के निचले हिस्से में परिवार के छह सदस्य थे, जो भाग कर घर से बाहर निकले। बाहर से उन्होंने देखा कि उपरी मंजिल में स्थित कमरे से तेज लपटों के साथ आग जल रही है। इस बीच वहां आसपास के लोगों की भीड़ भी लग गई। आनन- फानन में घटना की सूचना पुलिस व दमकल विभाग को

दी गई। स्थल पर नगर निगम, सीएसईबी, बाल्को समेत पांच दमकल वाहन की मदद के लिए पहुंच गई। तदुपरांत राहत कार्य शुरू किया गया और घंटो की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, पर तब तक घर पर रखा सारा सामान हुआ जलकर खाक हो चुका है। मकान मालिक को लाखों रूपये की क्षति पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है।

बेमौसम वर्षा से खेत-खलिहान में रखे धान पर खतरा

कोरबा। बंगाल की खाड़ी से उठा मिचौंग चक्रवात का चौरफा असर देखा जा रहा है। मंगलवार की सुबह से हो रही बेमौसम वर्षा ने किसानों के लिए परेशानी खड़ी कर दी है। खेतों में खड़ी फसल धराशायी हो गई हैं, खलिहानों में काट कर रखे धान भीग रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दो दिनों तक मौसम के मिजाज में सुधार की गुंजाइश नहीं है। वर्षा ऐसे ही लगातार जारी रही तो धान की फसल को नुकसान होना तय है।

मौसमी उतार चढ़ाव का असर जिले में पिछले सप्ताह भर से बनी हैं। रही सही कसर को मिचौंग चक्रवात ने पूरी कर दी है। बदली व वर्षा की वजह से वातावरण में ठंड असर गायब है। देर रात न्यूनतम तापमान 10 से 11 डिग्री सेल्सियस है। वहीं दोपहर के समय तापमान 34 से 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है। इसका सीधा असर रबी फसल की बोआई पर पड़ रहा है। गेहूं की बोआई तेज ठंड होने पर की जाती है। वातावरण में तापमान वृद्धि होने से गेहूं

की बोआई पिछड़ रही है। बहरहाल सुबह से हो रही रिमझिम वर्षा से मंगलवार को खेतों में धान कटाई व खलिहानों में रखी फसल की मिसाई का काम बंद हो गया है।

जिला कृषि विज्ञान केंद्र कटघोरा के मौसम विशेषज्ञ संजय भिलावे ने बताया कि किसानों को चाहिए कि आगामी दो दिनों तक फसल की कटाई न करें। जिन्होने कटाई कर ली है वे अपनी फसल को सूखे स्थान की

में रखने युक्ति बना लें। बताना होगा कि जिले में 98,000 हेक्टेयर में किसानों ने धान की खेती की है। 60 प्रतिशत रकबे में फसल की कटाई हो चुकी। 40 प्रतिशत रकबा ऐसे हैं जिसमें किसानों ने पतला धान की बोआई की हैं, देर से पकने के कारण अभी तक कटाई नहीं हुई। पानी भरने के कारण मैदानी खेतों में हार्वेस्टर से कटाई असंभव है। धराशायी फसल अधिक दिन तक पानी में रहा उपज

एक भी धान उपार्जन केंद्र में नहीं हुई बोहनी

सुबह से जारी वर्षा के कारण जिले के एक भी धान उपार्जन केंद्र में बोहनी नहीं हुई। जिन किसानों ने धान की मिसाई कर ली है, उनके भी धान में नमी का असर देखा जा रहा है। धान को सूखने के लिए किसान अब धूप निकलने का इंतजार कर रहे हैं। एक नवंबर से शुरू हुई धान खरीदी के 35 दिन बीत जाने के बाद 65 केंद्रों 1.20 लाख क्विंटल धान की खरीदी हुई। शासन ने भले उपार्जन केंद्रों की संख्या बढ़ा दी है लेकिन शेड, चबूतरा, गोदाम की सुविधा नहीं होने से खुले आसमान के नीचे रखे धान को नुकसान हो रहा। घटना तय है। जारी वर्षा न एक ओर फसल कटाई पर रोक लगा दी है। वहीं रबी की तैयारी पर भी व्यवधान डाल दिया है।

गेवरा कालोनी में आवास का छज्जा गिरा, बाल- बाल बचा मासूम

कोरबा। एसईसीएल गेवरा कालोनी में एक आवास का छज्जा भरभरा कर गिर गया। घटना में घर के बाहर खेल रहा मासूम बाल- बाल बच गया। घटना से लोगों में हड़कंप मच गया। मकान मालिक ने घटना की सूचना एसईसीएल प्रबंधन को दी। बताया जा रहा है कि एसईसीएल कर्मी खगेंद्र प्रसाद नायक गेवरा परियोजना में सीनियर सर्वेयर के पद पर पदस्थ हैं। उन्हें दीपका गेवरा कालोनी के क्वाटर नंबर 565 आबंटित हैं।

मंगलवार की सुबह अचानक उनके घर के सामने का छज्जा ऊपर से नीचे आंगन में गिर गया। घटना के वक्त घर के आंगन में उनका दो वर्ष का मासूम बच्चा खेल रहा था, पर सुखद यह रहा

कि छज्जा उसके ऊपर नहीं गिरा, अन्यथा अनहोनी से इंकार नहीं किया जा सकता था। आवाज सुन कर नायक का परिवार बाहर निकला। घटना की जानकारी मिलते ही श्रमिक संगठन प्रतिनिधियों और एसईसीएल के कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त हो गया। उनका कहना है कि आए दिन कर्मचारी कालोनी में छज्जा गिरने की घटनाएं हो रही हैं और लोग दहशत में जीने को मजबूर हैं। शिकायत के बाद भी प्रबंधन की ओर से किसी भी प्रकार की व्यवस्था नहीं की जा रही है। खगेंद्र प्रसाद नायक ने बताया कि एसईसीएल के सिविल विभाग को कई बार शिकायत किया गया था, पर कोई भी अधिकारी निरीक्षण करने तक पहुंचा। मंगलवार को हुई घटना के बाद आनन- फानन में सिविल विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिए। अब छज्जा का पुनर्निर्माण करते हैं अथवा नहीं, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

अपना खुद का न्यूज पोर्टल बनवाएं
पूर्ण Registration के साथ
+91 9303890212

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक जितेन्द्र जायसवाल द्वारा जायसवाल प्रिंटिंग प्रेस राघवपुरी, डीगमा, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। संपादक जितेन्द्र जायसवाल। मो.नं.-09424262547